### हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड - भिवानी

प्रश्नवार विस्तृत अंकन योजना (2023 - 24)

कक्षा -<sup>12 वीं</sup> विषय - भूगोल प्रश्न पत्र कोड - C

प्रश्न अंकन योजना (उत्तर के प्रत्येक भाग के महत्व सहित)			कुल अंक
अनुभाव	ग – A वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न		
1	B प्रौद्योगिकी	1	1
2	A भारत	1	1
3	C बेसिक इंडस्ट्रीज	1	1
4	B बिहार	1	1
5	A उत्तर प्रदेश	1	1
6	D झारिया	1	1
7	D ग्रेटर मुंबई	1	1
8	कोलकाता	1	1
9	प्रवास कारक	1	1
10	वाहन और जलती ईंधन की लकड़ी	1	1
	अनुभाग- A के कुल अंक		10
अनुभा	ग - B अति लघु उत्तर प्रकार के प्रश्न		
11	"रुको और जाओ" नियतिवाद को नव-नियतिवाद के रूप में भी जाना जाता है। यह 1920 में	2	2
	ऑस्ट्रेलियाई भूगोलवेत्ता ग्रिफिथ टेलर द्वारा दिया गया था। उनके अनुसार, वह वातावरण कई		
	तरीकों से संभावनाओं को प्रस्तुत करता है और हर विकल्प के लिए, एक कीमत का भुगतान		
	किया जाना चाहिए।		
12	भूगोल एक अद्वितीय अनुशासन है जिसमें भौतिक और सामाजिक विज्ञान दोनों शामिल हैं।	2	2
	यह पृथ्वी की भौतिक विशेषताओं और प्रक्रियाओं (भौतिक विज्ञान) और मानव समाजों,		
	संस्कृतियों और उनकी बातचीत (सामाजिक विज्ञान) का अध्ययन करता है।		
13	पुश कारक ऐसी स्थितियां या परिस्थितियां हैं जो लोगों को एक क्षेत्र छोड़ने के लिए मजबूर	2	2
	करती हैं, जनसंख्या वितरण को प्रभावित करती हैं। उदाहरणों में आर्थिक कठिनाई, राजनीतिक		
	अस्थिरता और पर्यावरणीय चुनौतियां शामिल हैं, जो कुछ क्षेत्रों से पलायन को दूर ले जाती		
	हैं।		
14	जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले भौगोलिक कारकों में जलवायु, स्थलाकृति और	2	2
	पानी की उपलब्धता शामिल है। लोग अनुकूल जलवायु, समतल इलाके और जल संसाधनों		
	तक पहुंच वाले क्षेत्रों में बसते हैं।		
15	दूषित पानी के सेवन से जलजनित बीमारियां हो सकती हैं, जिनमें दस्त, हैजा और टाइफाइड	2	2
	शामिल हैं। लंबे समय तक जोखिम पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है,		

	समुदायों की भलाई और उत्पादकता को प्रभावित कर सकता है।		
	अथवा		]
	निवल बोया गया क्षेत्र खेती के तहत कुल क्षेत्र है जिसमें एक से अधिक बार बोया गया क्षेत्र	2	
	शामिल है। सकल फसली क्षेत्र खेती किया जाने वाला कुल क्षेत्र है, जिसमें कई फसल और		
	अंतर-फसल शामिल हैं।		
16	पाइपलाइन परिवहन लागत दक्षता, विश्वसनीयता और पर्यावरणीय लाभ प्रदान करता है। यह	2	2
	ऊर्जा की खपत को कम करता है, प्रदूषण को कम करता है, और न्यूनतम हस्तक्षेप के साथ		
	माल के निरंतर प्रवाह को सुनिश्चित करता है, जिससे यह तरल पदार्थ और गैसों के लिए		
	कुशल हो जाता है।		
	अथवा		
	भारत के पूर्वी तट पर चार प्रमुख बंदरगाह हैं:	1	
	कोलकाता पोर्ट (पश्चिम बंगाल)		
	पारादीप पोर्ट (ओडिशा)		
	विशाखापत्तनम बंदरगाह (आंध्र प्रदेश)	1	-
	चेन्नई पोर्ट (तमिलनाड्)	1	
	अनुभाग- B के कुल अंक		12
21=1911	<u> </u>		12
जनुना 17	ग - C लघु उत्तरीय प्रकार के प्रश्न		
17	डेयरी फार्मिंग में दूध उत्पादन के लिए मवेशियों का प्रजनन और पालन शामिल है। डेयरी	3	3
	फार्म, छोटे पैमाने पर संचालन से लेकर बड़े वाणिज्यिक उद्यमों तक, दूध, पनीर और अन्य		
	डेयरी उत्पादों के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। किसान इष्टतम दूध उपज		
	सुनिश्चित करने के लिए डेयरी जानवरों के स्वास्थ्य और पोषण को बनाए रखने पर ध्यान		
	केंद्रित करते हैं। आधुनिक डेयरी फार्मिंग में अक्सर कुशल दूध उत्पादन, प्रसंस्करण और		
18	वितरण के लिए उन्नत तकनीकों को शामिल किया जाता है।	_	
10	भारत में जनसंख्या वृद्धि प्रजनन दर, सामाजिक आर्थिक विकास और सांस्कृतिक प्रथाओं	1	3
	जैसे कारकों के कारण क्षेत्रीय रूप से भिन्न होती है।		_
	केरल और तमिलनाडु जैसे दक्षिणी राज्यों में उच्च साक्षरता और महिला सशक्तिकरण के	1	
	कारण कम विकास हुआ है। कम विकास सूचकांक वाले उत्तरी राज्य अक्सर उच्च विकास दर		
	का अनुभव करते हैं।		-
	शहरी क्षेत्रों में आम तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कम वृद्धि होती है। यह क्षेत्रीय	1	
	भिन्नता पूरे भारत में जनसांख्यिकीय, आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों के बीच जटिल		
10	बातचीत के परिणामस्वरूप होती है।		
19	भारत में शहरों का विकास ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक परिवर्तनों को दर्शाता है।	1	3
	सिंधु घाटी जैसी प्राचीन सभ्यताओं ने शहरी केंद्रों की योजना बनाई थी।		-
	मध्ययुगीन काल में व्यापार और वाणिज्य केंद्रों का उदय हुआ। औपनिवेशिक शासन ने	1	
	प्रशासनिक शहरों की स्थापना की।		_
	स्वतंत्रता के बाद, औद्योगिकीकरण के साथ शहरीकरण में तेजी आई। आज, भारतीय शहर	1	

	परंपरा और आधुनिकता का मिश्रण प्रदर्शित करते हैं, जो ऐतिहासिक घटनाओं और समकालीन		
	विकास प्रवृत्तियों द्वारा आकार लेते हैं।		
20	गैर-पारंपरिक ऊर्जा स्रोत पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के लिए नवीकरणीय विकल्प हैं। ये स्रोत	2	3
	टिकाऊ हैं, पर्यावरणीय प्रभाव को कम करते हैं, और एक स्वच्छ और अधिक विविध ऊर्जा		
	मिश्रण में योगदान करते हैं।		
	उदाहरणों में सौर ऊर्जा शामिल है, जो फोटोवोल्टिक कोशिकाओं या सौर तापीय प्रणालियों के	1	
	माध्यम से दोहन की जाती है; पवन ऊर्जा, पवन टरबाइन द्वारा उत्पन्न; जल विद्युत, बहते		
	पानी से प्राप्तः; भूतापीय ऊर्जा, पृथ्वी की गर्मी से दोहनः और बायोमास ऊर्जा, कार्बनिक पदार्थीं		
	से उत्पादित।		
21	समुद्री बंदरगाह देशों के बीच माल की आवाजाही को सुविधाजनक बनाकर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	3	3
	के लिए महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार के रूप में काम करते हैं। वे जहाजों के लिए डॉकिंग सुविधाएं		
	प्रदान करते हैं, कार्गो के लोडिंग और अनलोडिंग को सक्षम करते हैं। बंदरगाह वैश्विक आपूर्ति		
	शृंखला में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो दुनिया भर में बाजारों, उद्योगों और		
	उपभोक्ताओं को जोड़ते हैं। कुशल समुद्री बंदरगाह व्यापार, आर्थिक विकास और अंतर्राष्ट्रीय		
	सहयोग को बढ़ाते हैं, जिससे वे आधुनिक वैश्विक व्यापार नेटवर्क के महत्वपूर्ण घटक बन		
	जाते हैं।		
	अथवा	1	
	अटल सुरंग, जिसे आधिकारिक तौर पर अटल सुरंग, रोहतांग नाम दिया गया है, भारतीय	3	
	राज्य हिमाचल प्रदेश में एक राजमार्ग सुरंग है। यह 10,000 फीट से ऊपर दुनिया की सबसे		
	लंबी राजमार्ग सुरंग है, जो लगभग 9.02 किलोमीटर तक फैली हुई है। 2020 में उद्घाटन		
	किया गया, यह मनाली को लाहौंल-स्पीति घाटी से जोड़ता है, जो साल भर पहुंच प्रदान करता		
	है और यात्रा के समय को कम करता है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर		
	बनी यह सुरंग क्षेत्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण ढांचागत उपलिब्ध है।		
22	भारत में शहरी अपशिष्ट निपटान को महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिसमें	3	3
	अपर्याप्त अपशिष्ट प्रबंधन बुनियादी ढांचा, स्रोत पर कचरे का अपर्याप्त पृथक्करण और		
	सीमित रीसाइन्लिंग सुविधाएँ शामिल हैं। अनुचित निपटान से पर्यावरण प्रदूषण, स्वास्थ्य		
	संबंधी खतरे और लैंडिफिल साइटों पर तनाव होता है। तेजी से शहरीकरण समस्या को बढ़ाता		
	है, क्योंकि शहर बढ़ते अपशिष्ट उत्पादन के साथ तालमेल रखने के लिए संघर्ष करते हैं।		
	जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी की कमी प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन में बाधा डालती है,		
	जो देश में शहरी अपशिष्ट निपटान के जटिल मुद्दे में योगदान देती है।		
	अथवा	-	
	वायु प्रदूषण के गंभीर स्वास्थ्य प्रभाव हैं, जिससे श्वसन और हृदय संबंधी समस्याएं होती हैं।	3	
	पार्टिकुलेट मैटर और सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसे प्रदूषक फेफड़ों के		
	रोग, अस्थमा और श्वसन संक्रमण का कारण बन सकते हैं। लंबे समय तक एक्सपोजर		
	फेफड़ों के कैंसर और हृदय रोगों सहित पुरानी स्थितियों में योगदान देता है। बच्चे, बुजुर्ग और		
	पहले से मौजूद स्थितियों वाले व्यक्ति विशेष रूप से कमजोर हैं। कुल मिलाकर, वायु प्रदूषण		
	सार्वजिनक स्वास्थ्य को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है, स्वास्थ्य देखभाल बोझ बढ़ाता है		

परिवर्तन को संदर्भित करता है। इसके घटकों में जन्म (प्रजनन क्षमता), मृत्यु (मृत्यु दर), और प्रवासशामिल हैं।  प्रजनन क्षमता: किसी दिए गए जनसंख्या में प्रति 1,000 लोगों में जन्म की संख्या प्रजनन क्षमता निर्धारित करती है। उच्च प्रजनन क्षमता जनसंख्या में विरावट और उम्र बढ़ने का कारण बन सकता है।  मृत्यु दर: मृत्यु दर प्रति 1,000 लोगों की मृत्यु की संख्या है। उच्च मृत्यु दर से जनसंख्या में गिरावट आ सकती है, जबिक कम मृत्यु दर जनसंख्या वृद्धि और जनसांख्यिकीय संक्रमण में योगदान करती है।  प्रवासन: प्रवासन में क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही शामिल है। आप्रवासन जनसंख्या को बढ़ाता है, जबिक उत्प्रवास इसे कम करता है। प्रवासन पैटर्न जनसंख्या वितरण और जनसांख्यिकीय विशेषताओं को प्रभावित करते हैं।  प्रभाव:  उनसंख्या वृद्धि: मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या वृद्धि: मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या वृद्धि: मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या बृद्धि: प्रजनन क्षमता में गिरावट और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के परिणामस्वरूप एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संरचनाओं और संसाधन आवंटन को प्रभावित करती है।  जनसंख्या में गिरावट: जब मौते जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिवांह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  जनसंख्या की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मृत्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन		और जीवन की गुणवत्ता को कम करता है।		
जनसंख्या परिवर्तन एक विशिष्ट अविध में जनसंख्या के आकार, संरचना और वितरण में परिवर्तन को संदर्शित करता है। इसके घटकों में जन्म (प्रजनन क्षमता), मृत्यु (मृत्यु दर), और प्रवासशामिल हैं।  प्रजनन क्षमता: किसी दिए गए जनसंख्या में प्रति 1,000 लोगों में जन्म की संख्या प्रजनन क्षमता: किसीरित करती है। उच्च प्रजनन क्षमता जनसंख्या वृद्धि में योगदान देती है, जबिक कम प्रजनन क्षमता के परिणामस्वरूप जनसंख्या में गिरावट और उम्र बढ़ने का कारण बन सकता है।  मृत्यु दर: मृत्यु दर प्रति 1,000 लोगों की मृत्यु की संख्या है। उच्च मृत्यु दर से जनसंख्या में गिरावट आ सकती है, जबिक कम मृत्यु दर जनसंख्या वृद्धि और जनसांख्यिकीय संक्रमण में योगदान करती है।  प्रवासन: प्रवासन में क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही शामिल है। आप्रवासन जनसंख्या को बढ़ाता है, जबिक उत्प्रवास इसे कम करता है। प्रवासन पैटर्न जनसंख्या वितरण और जनसांख्यिकीय विशेषताओं को प्रभावित करते हैं।  प्रभाव:  जनसंख्या वृद्धि: मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या वृद्धि: मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या वृद्धि: मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या बृद्धि: प्रजनन क्षमता में गिरावट और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के परिणामस्वरूप एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संरचनाओं और संसाधन आवंटन को प्रभावित करती है।  जनसंख्या में गिरावट: जब मौते जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिवांह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  प्रथा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मृत्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन	अनुभाग	- C के कुल अंक		18
परिवर्तन को संदर्जित करता है। इसके घटकों में जन्म (प्रजनन क्षमता), मृत्यु (मृत्यु दर), और प्रवासशामिल हैं।  प्रजनन क्षमता: किसी दिए गए जनसंख्या में प्रति 1,000 लोगों में जन्म की संख्या प्रजनन क्षमता: किसी दिए गए जनसंख्या में प्रति 1,000 लोगों में जन्म की संख्या प्रजनन क्षमता के परिणामस्वरूप जनसंख्या में गिरावट और उम्र बढ़ने का कारण बन सकता है।  मृत्यु दर: मृत्यु दर प्रति 1,000 लोगों की मृत्यु की संख्या है। उच्च मृत्यु दर से जनसंख्या में गिरावट आ सकती है, जबिक कम मृत्यु दर जनसंख्या वृद्धि और जनसांख्यिकीय संक्रमण में योगदान करती है।  प्रवासन: प्रवासन में क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही शामिल है। आप्रवासन जनसंख्या को बढ़ाता है, जबिक उत्प्रवास इसे कम करता है। प्रवासन पैटर्न जनसंख्या वितरण और जनसांख्यिकीय विशेषताओं को प्रभावित करते हैं।  प्रभाव:  जनसंख्या वृद्धि: मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या वृद्धि: मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या बृद्धि: मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या बृद्धि: प्रजनन क्षमता में गिरावट और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के परिणामस्वरूप एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संरचनाओं और संसाधन आवंदन को प्रभावित करती है।  जनसंख्या में गिरावट: जब मौते जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिवांह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  इस्वा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मृत्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन	अनुभा	ग - D दीर्घ उत्तर प्रकार के प्रश्न		
प्रवासशामिल हैं।  प्रजनन क्षमता: किसी दिए गए जनसंख्या में प्रति 1,000 लोगों में जन्म की संख्या प्रजनन क्षमता: किसी दिए गए जनसंख्या में प्रति 1,000 लोगों में जन्म की संख्या प्रजनन क्षमता निर्धारित करती है। उच्च प्रजनन क्षमता जनसंख्या वृद्धि में योगदान देती है, जबिक कम प्रजनन क्षमता के परिणामस्वरूप जनसंख्या में गिरावट और उम बढ़ने का कारण बन सकता है।  मृत्यु दर: मृत्यु दर पति 1,000 लोगों की मृत्यु की संख्या है। उच्च मृत्यु दर से जनसंख्या में गिरावट आ सकती है, जबिक कम मृत्यु दर जनसंख्या वृद्धि और जनसंख्यिकीय संक्रमण में योगदान करती है।  प्रवासन: प्रवासन में क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही शामिल है। आप्रवासन जनसंख्या को बढ़ाता है, जबिक उत्प्रवास इसे कम करता है। प्रवासन पैटर्न जनसंख्या वितरण और जनसंख्यिकीय विशेषताओं को प्रभावित करते हैं।  प्रभाव:  उनसंख्या वृद्धि: मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या बृद्धि: प्रजनन क्षमता में गिरावट और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के परिणामस्वरूप एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संरचनाओं और संसाधन आवंटन को प्रभावित करती है।  जनसंख्या में गिरावट: जब मौतें जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिर्वाह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  अथवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मृल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन	23	जनसंख्या परिवर्तन एक विशिष्ट अविध में जनसंख्या के आकार, संरचना और वितरण में	1	5
प्रजनन क्षमताः किसी दिए गए जनसंख्या में प्रति 1,000 लोगों में जन्म की संख्या प्रजनन क्षमताः निर्धारित करती है। उच्च प्रजनन क्षमता जनसंख्या वृद्धि में योगदान देती है, जबिक कम प्रजनन क्षमता के परिणामस्वरूप जनसंख्या में गिरावट और उम बढ़ने का कारण बन सकता है।  मृत्यु दरः मृत्यु दर प्रति 1,000 लोगों की मृत्यु की संख्या है। उच्च मृत्यु दर से जनसंख्या में गिरावट आ सकती है, जबिक कम मृत्यु दर जनसंख्या वृद्धि और जनसांख्यिकीय संक्रमण में योगदान करती है।  प्रवासनः प्रवासन में क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही शामिल है। आप्रवासन जनसंख्या को बढ़ाता है, जबिक उत्प्रवास इसे कम करता है। प्रवासन पैटर्न जनसंख्या वितरण और जनसांख्यिकीय विशेषताओं को प्रभावित करते हैं।  प्रभावः  उनसंख्या वृद्धिः मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या वृद्धिः मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या बृद्धिः प्रजनन क्षमता में गिरावट और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के परिणामस्वरूप एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संख्याओं और संसाधन आवंटन को प्रभावित करती है।  जनसंख्या में गिरावट: जब मौतं जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिर्वाह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  अथवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मृल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन		परिवर्तन को संदर्भित करता है। इसके घटकों में जन्म (प्रजनन क्षमता), मृत्यु (मृत्यु दर), और		
क्षमता निर्धारित करती है। उच्च प्रजनन क्षमता जनसंख्या वृद्धि में योगदान देती है, जबिक कम प्रजनन क्षमता के परिणामस्वरूप जनसंख्या में गिरावट और उम बढ़ने का कारण बन सकता है।  मृत्यु दर: मृत्यु दर प्रति 1,000 लोगों की मृत्यु की संख्या है। उच्च मृत्यु दर से जनसंख्या में गिरावट आ सकती है, जबिक कम मृत्यु दर जनसंख्या वृद्धि और जनसांख्यिकीय संक्रमण में योगदान करती है।  प्रवासन: प्रवासन में क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही शामिल है। आप्रवासन जनसंख्या को बढ़ाता है, जबिक उत्प्रवास इसे कम करता है। प्रवासन पैटर्न जनसंख्या वितरण और जनसांख्यिकीय विशेषताओं को प्रभावित करते हैं।  प्रभाव:  उनसांख्या वृद्धि: मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या वृद्धि: मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या बुढ़ापे: प्रजनन क्षमता में गिरावट और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के परिणामस्वरूप एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संरचनाओं और संसाधन आवंदन को प्रभावित करती है।  जनसंख्या में गिरावट: जब मौतें जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिवांह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  अथवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मृल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		
कम प्रजनन क्षमता के परिणामस्वरूप जनसंख्या में गिरावट और उम बढ़ने का कारण बन सकता है।  गृत्यु दर: मृत्यु दर प्रति 1,000 लोगों की मृत्यु की संख्या है। उच्च मृत्यु दर से जनसंख्या में गिरावट आ सकती है, जबिक कम मृत्यु दर जनसंख्या वृद्धि और जनसांख्यिकीय संक्रमण में योगदान करती है।  प्रवासनः प्रवासन में क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही शामिल है। आप्रवासन जनसंख्या को बढ़ाता है, जबिक उत्प्रवास इसे कम करता है। प्रवासन पैटर्न जनसंख्या वितरण और जनसांख्यिकीय विशेषताओं को प्रभावित करते हैं।  प्रभावः  उनसंख्या वृद्धिः मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या वृद्धिः मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या बृद्धिः प्रजनन क्षमता में गिरावट और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के परिणामस्वरूप एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संरचनाओं और संसाधन आवंटन को प्रभावित करती है।  जनसंख्या में गिरावटः जब मौतें जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिर्वाह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  अथवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मृल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	2	
सकता है।  मृत्यु दर: मृत्यु दर प्रति 1,000 लोगों की मृत्यु की संख्या है। उच्च मृत्यु दर से जनसंख्या में गिरावट आ सकती है, जबिक कम मृत्यु दर जनसंख्या वृद्धि और जनसांख्यिकीय संक्रमण में योगदान करती है।  प्रवासन: प्रवासन में क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही शामिल है। आप्रवासन जनसंख्या को बढ़ाता है, जबिक उत्प्रवास इसे कम करता है। प्रवासन पैटर्न जनसंख्या वितरण और जनसांख्यिकीय विशेषताओं को प्रभावित करते हैं।  प्रभाव:  उनसंख्या वृद्धि: मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या वृद्धि: मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या बुढ़ापे: प्रजनन क्षमता में गिरावट और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के परिणामस्वरूप एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संरचनाओं और संसाधन आवंटन को प्रभावित करती है।  जनसंख्या में गिरावट: जब मौतं जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिर्वाह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  उथवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मृल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन		Ç ·		
मृत्यु दर: मृत्यु दर प्रति 1,000 लोगों की मृत्यु की संख्या है। उच्च मृत्यु दर से जनसंख्या में गिरावट आ सकती है, जबिक कम मृत्यु दर जनसंख्या वृद्धि और जनसांख्यिकीय संक्रमण में योगदान करती है।  प्रवासन: प्रवासन में क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही शामिल है। आप्रवासन जनसंख्या को बढ़ाता है, जबिक उत्प्रवास इसे कम करता है। प्रवासन पैटर्न जनसंख्या वितरण और जनसांख्यिकीय विशेषताओं को प्रभावित करते हैं।  प्रभाव:  उनसंख्या वृद्धि: मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या वृद्धि: मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या बृद्धि: प्रजनन क्षमता में गिरावट और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के परिणामस्वरूप एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संरचनाओं और संसाधन आवंटन को प्रभावित करती है।  जनसंख्या में गिरावट: जब मौतें जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिवाह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  अधवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मृल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन				
में गिरावट आ सकती है, जबिक कम मृत्यु दर जनसंख्या वृद्धि और जनसांख्यिकीय संक्रमण में योगदान करती है।  प्रवासनः प्रवासन में क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही शामिल है। आप्रवासन जनसंख्या को बढ़ाता है, जबिक उत्प्रवास इसे कम करता है। प्रवासन पैटर्न जनसंख्या वितरण और जनसांख्यिकीय विशेषताओं को प्रभावित करते हैं।  प्रभावः  2  जनसंख्या वृद्धिः मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या वृद्धिः मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या बृद्धिः प्रजनन क्षमता में गिरावट और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के परिणामस्वरूप एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संरचनाओं और संसाधन आवंदन को प्रभावित करती है।  जनसंख्या में गिरावटः जब मौतें जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिर्वाह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  अथवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मृल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन		सकता है।		
में गिरावट आ सकती है, जबिक कम मृत्यु दर जनसंख्या वृद्धि और जनसांख्यिकीय संक्रमण में योगदान करती है।  प्रवासनः प्रवासन में क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही शामिल है। आप्रवासन जनसंख्या को बढ़ाता है, जबिक उत्प्रवास इसे कम करता है। प्रवासन पैटर्न जनसंख्या वितरण और जनसांख्यिकीय विशेषताओं को प्रभावित करते हैं।  प्रभावः  2  जनसंख्या वृद्धिः मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या वृद्धिः मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या बृद्धिः प्रजनन क्षमता में गिरावट और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के परिणामस्वरूप एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संरचनाओं और संसाधन आवंदन को प्रभावित करती है।  जनसंख्या में गिरावटः जब मौतें जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिर्वाह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  अथवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मृल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन		मत्य दर: मत्य दर प्रति 1.000 लोगों की मत्य की संख्या है। उच्च मत्य दर से जनसंख्या		
में योगदान करती है।  प्रवासनः प्रवासन में क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही शामिल है। आप्रवासन जनसंख्या को बढ़ाता है, जबिक उत्प्रवास इसे कम करता है। प्रवासन पैटर्न जनसंख्या वितरण और जनसांख्यिकीय विशेषताओं को प्रभावित करते हैं।  प्रभावः  उनसंख्या वृद्धिः मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या वृद्धिः मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म और मृत्यु दर से कम दर में बदलाव, जनसंख्या आयु संरचनाओं को प्रभावित करता है।  जनसंख्या बुढ़ापेः प्रजनन क्षमता में गिरावट और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के परिणामस्वरूप एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संरचनाओं और संसाधन आवंटन को प्रभावित करती है।  जनसंख्या में गिरावटः जब मौतें जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिवाह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  उथवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मूल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन				
है, जबिक उत्प्रवास इसे कम करता है। प्रवासन पैटर्न जनसंख्या वितरण और जनसांख्यिकीय विशेषताओं को प्रभावित करते हैं।  प्रभावः  उनसंख्या वृद्धिः मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या वृद्धिः मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या वृद्धिः मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म और मृत्यु दर से कम दर में बदलाव, जनसंख्या आयु संरचनाओं को प्रभावित करता है।  जनसंख्या बुढ़ापेः प्रजनन क्षमता में गिरावट और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के परिणामस्वरूप एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संरचनाओं और संसाधन आवंदन को प्रभावित करती है।  जनसंख्या में गिरावटः जब मौतें जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिर्वाह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  अथवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मूल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन				
है, जबिक उत्प्रवास इसे कम करता है। प्रवासन पैटर्न जनसंख्या वितरण और जनसांख्यिकीय विशेषताओं को प्रभावित करते हैं।  प्रभावः  उनसंख्या वृद्धिः मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या वृद्धिः मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या वृद्धिः मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म और मृत्यु दर से कम दर में बदलाव, जनसंख्या आयु संरचनाओं को प्रभावित करता है।  जनसंख्या बुढ़ापेः प्रजनन क्षमता में गिरावट और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के परिणामस्वरूप एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संरचनाओं और संसाधन आवंदन को प्रभावित करती है।  जनसंख्या में गिरावटः जब मौतें जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिर्वाह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  अथवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मूल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन				
विशेषताओं को प्रभावित करते हैं।  प्रभाव:  उ  जनसंख्या वृद्धि: मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या वृद्धि: मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या कुंद्रापे: प्रजनन क्षमता में गिरावट और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के परिणामस्वरूप एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संरचनाओं और संसाधन आवंटन को प्रभावित करती है।  जनसंख्या में गिरावट: जब मौतें जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिर्वाह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  अथवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मूल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन				
प्रभावः  जनसंख्या वृद्धिः मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।  जनसंख्या वृद्धिः मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म और मृत्यु दर से कम दर में बदलाव, जनसंख्या आयु संरचनाओं को प्रभावित करता है।  जनसंख्या बुढ़ापेः प्रजनन क्षमता में गिरावट और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के परिणामस्वरूप एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संरचनाओं और संसाधन आवंटन को प्रभावित करती है।  जनसंख्या में गिरावटः जब मौतें जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिवाह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  अथवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है: सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मूल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन				
जनसंख्या वृद्धिः मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है। जनसंख्या क्ष्मणः उच्च जन्म और मृत्यु दर से कम दर में बदलाव, जनसंख्या आयु संरचनाओं को प्रभावित करता है। जनसंख्या बुढ़ापेः प्रजनन क्षमता में गिरावट और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के परिणामस्वरूप एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संरचनाओं और संसाधन आवंटन को प्रभावित करती है। जनसंख्या में गिरावटः जब मौतें जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिवाह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  अथवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है: सांस्कृतिक प्रथाएंः सांस्कृतिक मूल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन		•		
जनसांख्यिकीय संक्रमण: उच्च जन्म और मृत्यु दर से कम दर में बदलाव, जनसंख्या आयु संरचनाओं को प्रभावित करता है।  जनसंख्या बुढ़ापे: प्रजनन क्षमता में गिरावट और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के परिणामस्वरूप एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संरचनाओं और संसाधन आवंटन को प्रभावित करती है।  जनसंख्या में गिरावट: जब मौतें जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिर्वाह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  अथवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मूल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन		प्रभाव:	2	
संरचनाओं को प्रभावित करता है।  जनसंख्या बुढ़ापे: प्रजनन क्षमता में गिरावट और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के परिणामस्वरूप एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संरचनाओं और संसाधन आवंटन को प्रभावित करती है।  जनसंख्या में गिरावट: जब मौतें जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिर्वाह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  अथवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मूल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन		जनसंख्या वृद्धिः मृत्यु दर के सापेक्ष उच्च जन्म दर जनसंख्या वृद्धि में योगदान करती है।		
संरचनाओं को प्रभावित करता है।  जनसंख्या बुढ़ापे: प्रजनन क्षमता में गिरावट और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के परिणामस्वरूप एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संरचनाओं और संसाधन आवंटन को प्रभावित करती है।  जनसंख्या में गिरावट: जब मौतें जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिर्वाह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  अथवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मूल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन		जनसांख्यिकीय संक्रमण: उच्च जन्म और मृत्यु दर से कम दर में बदलाव, जनसंख्या आयु		
एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संरचनाओं और संसाधन आवंटन को प्रभावित करती है।  जनसंख्या में गिरावट: जब मौतें जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिर्वाह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  अथवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से 1 प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मूल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		
है। जनसंख्या में गिरावट: जब मौतें जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिर्वाह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  अथवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से 1 प्रभावित होता है: सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मूल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन		जनसंख्या बुढ़ापे: प्रजनन क्षमता में गिरावट और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के परिणामस्वरूप		
जनसंख्या में गिरावट: जब मौतें जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिर्वाह जारी रहता है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  अथवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मूल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन		एक वृद्ध आबादी होती है, जो सामाजिक संरचनाओं और संसाधन आवंटन को प्रभावित करती		
है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  अथवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से 1 प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मूल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन		है।		
है, तो आबादी में गिरावट आ सकती है, जिससे श्रम बल और आर्थिक उत्पादकता प्रभावित हो सकती है।  अथवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से 1 प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मूल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन		जनसंख्या में गिरावट: जब मौतें जन्म से अधिक होती हैं और प्रवासन बहिर्वाह जारी रहता		
सकती है।  अथवा  दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से  प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मूल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन				
दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से प्रभावित होता है:  सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मूल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन				
प्रभावित होता है: सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मूल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन		अथवा		
सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मूल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन		दुनिया की आबादी का वितरण सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों के असंख्य से गहराई से	1	
		प्रभावित होता है:		
		सांस्कृतिक प्रथाएं: सांस्कृतिक मल्य और परंपराएं जन्म दर, परिवार के आकार और प्रवासन		
and the control of th		पैटर्न को प्रभावित करती हैं। उदाहरण के लिए, सांस्कृतिक मानदंड बड़े परिवार होने की		
वांछनीयता को प्रभावित कर सकते हैं।		· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		

	धर्मः धार्मिक विश्वास अक्सर परिवार नियोजन के प्रति दृष्टिकोण को आकार देते हैं और जनसांख्यिकीय व्यवहार को प्रभावित करते हैं। धार्मिक रूप से प्रेरित प्रवासन पैटर्न भी जनसंख्या वितरण में योगदान कर सकते हैं।	1	
	भाषा: भाषा लोगों को एक साथ जोड़ती है और जातीय या सांस्कृतिक समूहों के गठन में एक कारक हो सकती है, जो निपटान पैटर्न को प्रभावित करती है।	1	
	शहरीकरणः ग्रामीण से शहरी जीवन में बदलाव एक सांस्कृतिक प्रवृत्ति है। आर्थिक अवसर, जीवन शैली में बदलाव और शहरी सुविधाएं शहरों में जनसंख्या एकाग्रता में योगदान करती हैं।	1	
	सामाजिक नीतियां: स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और परिवार नियोजन से संबंधित सरकारी नीतियां जनसांख्यिकीय व्यवहार और सामाजिक आर्थिक विकास को आकार देकर जनसंख्या वितरण को प्रभावित करती हैं।	1	
24	कई कारक विश्व स्तर पर उद्योगों के स्थान को प्रभावित करते हैं। ये कारक अक्सर परस्पर जुड़े होते हैं और औद्योगिक गतिविधियों के स्थानिक वितरण में योगदान करते हैं। कुछ प्रमुख विचारों में शामिल हैं:	1	
	कच्चा माल: कच्चे माल से निकटता एक महत्वपूर्ण कारक है। उद्योग परिवहन लागत को कम करने और स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कच्चे माल के स्रोत के पास स्थित होते हैं।		
	श्रम उपलब्धताः एक कुशल और सस्ती श्रम शक्ति तक पहुंच आवश्यक है। उद्योग अक्सर कुशल कार्यबल वाले स्थानों का चयन करते हैं या जहां श्रम लागत प्रतिस्पर्धी होती है।		
	परिवहन बुनियादी ढांचा: सड़कों, बंदरगाहों और रेलवे सिहत कुशल परिवहन नेटवर्क, औद्योगिक स्थान को प्रभावित करते हैं। बाजारों तक पहुंच और माल परिवहन की क्षमता आसानी से स्थान निर्णयों को प्रभावित करती है।	1	
	ऊर्जा उपलब्धताः उद्योग, विशेष रूप से ऊर्जा-गहन, विश्वसनीय और सस्ती ऊर्जा स्रोतों वाले क्षेत्रों की ओर आकर्षित होते हैं। बिजली संयंत्रों या ऊर्जा भंडार से निकटता एक महत्वपूर्ण विचार है।		
	बाजार पहुंच: उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन करने वाले उद्योगों के लिए बाजारों से निकटता महत्वपूर्ण है। उपभोक्ताओं तक पहुंच वितरण लागत और समय-से-बाजार को कम करती है।	1	
	सरकारी नीतियां: सरकारी प्रोत्साहन, कर ब्रेक और नियामक नीतियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उद्योग अनुकूल नीतियों, सब्सिडी, या व्यापार के अनुकूल वातावरण वाले स्थानों का पक्ष ले सकते हैं।		
	बुनियादी ढांचा: परिवहन के अलावा, जल आपूर्ति, दूरसंचार और अपशिष्ट निपटान जैसे सामान्य बुनियादी ढांचे औद्योगिक स्थान निर्णयों को प्रभावित करते हैं।	1	
	जलवायु और पर्यावरणीय स्थितियां: कुछ उद्योग जलवायु परिस्थितियों के प्रति संवेदनशील		

	हैं। उदाहरण के लिए, कुछ विनिर्माण प्रक्रियाओं को विशिष्ट पर्यावरणीय परिस्थितियों की		
	आवश्यकता हो सकती है या जलवायु से संबंधित कारकों से प्रभावित हो सकती है।	4	
	राजनीतिक स्थिरता: राजनीतिक स्थिरता और एक अनुकूल कारोबारी माहौल उद्योगों के लिए आकर्षक हैं। स्थिर राजनीतिक स्थितियां व्यवसायों के लिए जोखिम और अनिश्चितताओं को	1	
	कम करती हैं।		
	भाग भारता है।		
	तकनीकी प्रगति: उन्नत प्रौद्योगिकियों और अनुसंधान संस्थानों की उपलब्धता उन उद्योगों को आकर्षित कर सकती है जो नवाचार और प्रौद्योगिकी पर भरोसा करते हैं।		
	अथवा		
	मानव विकास सूचकांक (एचडीआई): एचडीआई एक समग्र आंकड़ा है जिसका उपयोग मानव	1	
	विकास के तीन बुनियादी आयामों में देश की औसत उपलब्धियों को मापने के लिए किया		
	जाता है: एक लंबा और स्वस्थ जीवन (स्वास्थ्य), ज्ञान (शिक्षा), और एक सभ्य जीवन स्तर		
	(जीवन स्तर)। यह पारंपरिक आर्थिक संकेतकों से परे कल्याण का एक व्यापक मूल्यांकन		
	प्रदान करता है।		
	•		
	मानव विकास के चार स्तंभ:	1	
	स्वास्थ्यः यह स्तंभ जन्म के समय जीवन प्रत्याशा पर विचार करता है। लंबी जीवन प्रत्याशा		
	बेहतर स्वास्थ्य परिणामों और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को दर्शाती है, जो मानव विकास के		
	उच्च स्तर का संकेत देती है।		
	394 ((( 4/1 (14/1 (11) (1)		
	शिक्षा: शिक्षा का मूल्यांकन दो संकेतकों के माध्यम से किया जाता है: वयस्कों के लिए	1	
	स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष और स्कूल में प्रवेश करने वाले बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा के		
	अपेक्षित वर्ष। शिक्षा व्यक्तिगत संशक्तिकरण और सामाजिक प्रगति में एक महत्वपूर्ण कारक		
	ैं है।		
	जीवन स्तर: यह स्तंभ क्रय शक्ति समानता के लिए समायोजित प्रति व्यक्ति आय पर	1	
	केंद्रित है। यह मानव विकास के आर्थिक आयाम को मापता है, जो एक सभ्य जीवन स्तर के		
	लिए वस्तुओं और सेवाओं तक पहुंचने के लिए व्यक्तियों की क्षमता को दर्शाता है।		
	लिंग समानताः जबिक आधिकारिक तौर पर एचडीआई का हिस्सा नहीं है, लिंग से संबंधित	1	
	विकास सूचकांक (जीडीआई) और लिंग असमानता सूचकांक (जीआईआई) को अक्सर पूरक		
	संकेतक माना जाता है, जो स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर के संदर्भ में पुरुषों और महिलाओं		
	के बीच असमानताओं को उजागर करता है। समग्र मानव विकास के लिए लैंगिक समानता		
	महत्वपूर्ण है।		
25	हाइडल पावर, भारत के ऊर्जा पोर्टफोलियों का एक महत्वपूर्ण घटक, बिजली उत्पन्न करने के	2	5
	लिए बहते पानी की संभावित ऊर्जा का उपयोग करता है। भारत की विविध स्थलाकृति और		
	पर्याप्त जल संसाधन इसे जल विद्युत विकास के लिए अनुकूल बनाते हैं। देश ने रणनीतिक		
	रूप से कई जल विद्युत परियोजनाओं को लागू किया है, जिसमें भाखड़ा-नांगल जैसे बड़े बांधों		
	और विभिन्न नदी घाटियों में छोटे पैमाने पर परियोजनाओं का मिश्रण है।		
<u> </u>		I	

	बाबबर पाना भगान के निज्ञी नजार में गुरू कार्ण फोगड़ार केए के के एक रक्ता और	۱,	
	हाइडल पावर भारत के बिजली उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जो एक स्वच्छ और		
	नवीकरणीय ऊर्जा विकल्प प्रदान करता है। हिमालय क्षेत्र, अपनी तेजी से बहने वाली नदियों		
	के साथ, बड़े जल विद्युत प्रतिष्ठानों के लिए एक केंद्र बिंदु रहा है। टिहरी और नाथपा		
	झाकड़ी जैसी परियोजनाएं भारत के बिजली बुनियादी ढांचे के महत्वपूर्ण घटक बन गई हैं।		
	इसके लाओं के बावजूद, जल विद्युत चुनौतियों का सामना करता है। आवास व्यवधान और	1	
	स्थानीय समुदायों के विस्थापन सहित पर्यावरणीय प्रभाव से संबंधित चिंताएं, सतत विकास के		
	साथ ऊर्जा की जरूरतों को संतुलित करने के महत्व को उजागर करती हैं। पानी की		
	उपलब्धता पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव विचारशील परियोजना योजना की आवश्यकता पर		
	जोर देते हैं।		
	हाल के वर्षों में, नवीकरणीय ऊर्जा पर बढ़ते जोर ने जल विद्युत में रुचि को बढ़ावा दिया है।	1	
	प्रौद्योगिकी में प्रगति और पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने पर ध्यान केंद्रित करने से		
	अधिक टिकाऊ जल विद्युत परियोजनाओं का विकास हो रहा है। जैसा कि भारत अपने ऊर्जा		
	मिश्रण में विविधता लाना जारी रखता है, पनबिजली एक अधिक टिकाऊ और लचीला बिजली		
	क्षेत्र की दिशा में राष्ट्र की यात्रा में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनी हुई है।		
	अथवा		
	वाटरशेड प्रबंधन एक वाटरशेड के भीतर भूमि, पानी और संबंधित संसाधनों के प्रबंधन के लिए	2	
	एक व्यापक दृष्टिकोण है - एक ऐसा क्षेत्र जहां सभी पानी एक सामान्य बिंदु तक बहते हैं।		
	इसमें पानी की गुणवत्ता बढ़ाने, मिट्टी के संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों का स्थायी प्रबंधन		
	करने के लिए प्रथाओं की योजना बनाना और उन्हें लागू करना शामिल है।		
	वाटरशेड प्रबंधन भूमि और पानी के परस्पर संबंध पर विचार करता है, जिसमें पारिस्थितिक	1	
	संतुलन बनाए रखने के लिए वनीकरण, मृदा संरक्षण और जल संचयन जैसे उपायों को		
	शामिल किया गया है। यह मिट्टी के कटाव, पानी की कमी और पानी की गुणवत्ता में		
	गिरावट जैसे मुद्दों को संबोधित करता है।		
	वाटरशेड प्रबंधन सतत विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह जल संसाधनों के	1	
	कुशल उपयोग को सुनिश्चित करता है, बाढ़ और सूखे के प्रभाव को कम करता है, और कृषि		
	उत्पादकता को बढ़ाता है। संरक्षण और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देकर, यह पारिस्थितिक तंत्र,		
	जैव विविधता और आजीविका की रक्षा करता है। इसके अतिरिक्त, यह समुदायों में		
	लचीलापन का निर्माण करके जलवायु परिवर्तन अनुकूलन में योगदान देता है।		
	संक्षेप में, वाटरशेड प्रबंधन पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देता है, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं का	1	
	समर्थन करता है, और मानव कल्याण के साथ पारिस्थितिक स्वास्थ्य को सुसंगत करके		
	सतत विकास के सिद्धांतों के साथ संरेखित करता है।		
अनभाग	т- D के कुल अंक		15
	ग – E मानचित्र कार्य	<u> </u>	
26	तिरुअनंतप्रम हवाई अड्डा	1	5
	जामनगर तेल रिफाइनरी	1	
		-	
	दुर्गापुर इस्पात संयंत्र	1	
	बोकारो कोयला क्षेत्र	1	

	कोच्चि बंदरगाह	1	
कुल अं	क	60	

### Haryana School Education Board – Bhiwani

**Question wise Detailed Marking Scheme (2023 - 24)** 

Class – 12th Subject – Geography Question Paper Code - C

Question	Marking scheme (including the importance of each part of the answer)		aggregate marks
Section -	A Objective Type Questions		•
1	B Technology	1	1
2	A India	1	1
3	C Basic Industries	1	1
4	B Bihar	1	1
5	A Uttar Pradesh	1	1
6	D Jharia	1	1
7	D Greater Mumbai	1	1
8	Kolkata	1	1
9	Migration factors	1	1
10	Vehicles and Burning fuel wood	1	1
	Total Marks of Section-A		10
	B Very Short Answer Type Questions	ı	1
11	Stop and Go Determinism is also known as Neo-determinism. It was given by	2	2
	Australian Geographer Griffith Taylor in 1920. According to him, that		
	environment presents possibilities in numerous ways and for every choice, a price		
12	must be paid.	2	2
12	Geography is a unique discipline encompassing both physical and social sciences. It studies the Earth's physical features and processes (physical science) and human	2	<u> </u>
	societies, cultures, and their interactions (social science).		
13	Push factors are conditions or circumstances that force people to leave an area,	2	2
10	influencing population distribution. Examples include economic hardship, political		
	instability, and environmental challenges, driving migration away from certain		
	regions.		
14	Geographical factors influencing population distribution include climate,	2	2
	topography, and water availability. People tend to settle in areas with favorable		
	climates, flat terrain, and access to water resources.		
15	Consumption of contaminated water can lead to waterborne diseases, including	2	2
	diarrhea, cholera, and typhoid. Long-term exposure may cause chronic health		
	issues, affecting communities' well-being and productivity.		
	or		
	Net sown area is the total area under cultivation minus the area sown more than	2	
	once. Gross cropped area is the total area cultivated, including multiple cropping		
16	and intercropping.  Pipeline transportation offers cost efficiency, reliability, and environmental	2	2
10	benefits. It minimizes energy consumption, reduces pollution, and ensures a	<u> </u>	<u> </u>
	continuous flow of goods with minimal interference, making it efficient for liquids		
	and gases.		
	or		
	Four major ports on the east coast of India are:	1	1
	Kolkata Port (West Bengal)		
	Paradip Port (Odisha)		
	Visakhapatnam Port (Andhra Pradesh)	1	
	Chennai Port (Tamil Nadu)		

	Total Marks of Section-B		12
Section -	C Short Answer Type Questions		
17	Dairy farming involves the breeding and raising of cattle for milk production.  Dairy farms, ranging from small-scale operations to large commercial enterprises, play a vital role in the production of milk, cheese, and other dairy products.  Farmers focus on maintaining the health and nutrition of dairy animals to ensure optimal milk yield. Modern dairy farming often incorporates advanced technologies for efficient milk production, processing, and distribution.	3	3
18	Population growth in India varies regionally due to factors like fertility rates, socioeconomic development, and cultural practices.	1	3
	Southern states like Kerala and Tamil Nadu exhibit lower growth due to higher literacy and women's empowerment. Northern states, with lower development indices, often experience higher growth rates.  Urban areas generally have lower growth than rural regions. This regional	1	
	variation results from complex interactions between demographic, economic, and cultural factors across India.	1	
19	The evolution of towns in India reflects historical, cultural, and economic changes. Ancient civilizations like the Indus Valley had planned urban centers.	1	3
	Medieval times saw the emergence of trade and commerce hubs. Colonial rule led to the establishment of administrative towns.	1	
	Post-independence, urbanization accelerated with industrialization. Today, Indian towns showcase a blend of tradition and modernity, shaped by historical events and contemporary developmental trends.	1	
20	Non-conventional energy sources are renewable alternatives to traditional fossil fuels. These sources are sustainable, reduce environmental impact, and contribute to a cleaner and more diverse energy mix.	2	3
	Examples include solar energy, harnessed through photovoltaic cells or solar thermal systems; wind energy, generated by wind turbines; hydropower, derived from flowing water; geothermal energy, tapped from Earth's heat; and biomass energy, produced from organic materials.	1	
21	Sea ports serve as crucial gateways for international trade by facilitating the movement of goods between countries. They provide docking facilities for ships, enabling the loading and unloading of cargo. Ports play a pivotal role in the global supply chain, connecting markets, industries, and consumers worldwide. Efficient sea ports enhance trade, economic growth, and international cooperation, making them vital components of the modern global trade network.	3	3
	The Atal Tunnel, officially named the Atal Tunnel, Rohtang, is a highway tunnel in the Indian state of Himachal Pradesh. It is the world's longest highway tunnel above 10,000 feet, stretching approximately 9.02 kilometers. Inaugurated in 2020, it connects Manali to Lahaul-Spiti Valley, providing year-round accessibility and reducing travel time. Named after former Prime Minister Atal Bihari Vajpayee, the tunnel is a crucial infrastructural feat for the region's development.	3	
22	Urban waste disposal in India faces significant challenges, including inadequate waste management infrastructure, insufficient segregation of waste at source, and limited recycling facilities. Improper disposal leads to environmental pollution, health hazards, and strain on landfill sites. Rapid urbanization exacerbates the problem, as cities struggle to keep pace with the increasing waste generation. Lack of awareness and community participation further hinder effective waste management, contributing to the complex issue of urban waste disposal in the country.	3	3
	or Air pollution has severe health effects, causing respiratory and cardiovascular	3	
	issues. Particulate matter and pollutants like sulfur dioxide and nitrogen oxides can	3	

	liseases. Children, the elderly, and individuals with pre-existing conditions are		
_	particularly vulnerable. Overall, air pollution significantly impacts public health, ncreasing healthcare burdens and reducing quality of life		
Total Marks o			18
	Long Answer Type Questions	<u>I</u>	10
	Population change refers to alterations in the size, composition, and distribution of	1	5
a	a population over a specific period. Its components include births (fertility), deaths (mortality), and migration.		
I	Fertility: The number of births per 1,000 people in a given population determines certility. High fertility contributes to population growth, while low fertility can result in population decline and aging.	2	
r	Mortality: Mortality rate is the number of deaths per 1,000 people. High mortality rates can lead to population decline, while low mortality rates contribute to population growth and demographic transition.		
i	Migration: Migration involves the movement of people across regions. Immigration ncreases population, while emigration decreases it. Migration patterns impact population distribution and demographic characteristics.		
Ī	Effects:	2	
	Population Growth: High birth rates relative to death rates contribute to population growth.		
	Demographic Transition: Shifts from high birth and death rates to low rates, mpacting population age structures.		
	Population Aging: Declining fertility and increasing life expectancy result in an older population, affecting societal structures and resource allocation.		
	Population Decline: When deaths exceed births and migration outflows persist, populations can decline, impacting labor forces and economic productivity.		
	The distribution of the world's population is profoundly influenced by a myriad of social and cultural factors:	1	
a	Cultural Practices: Cultural values and traditions impact birth rates, family size, and migration patterns. For example, cultural norms may influence the desirability of having large families.		
I is	Religion: Religious beliefs often shape attitudes toward family planning and nfluence demographic behaviors. Religiously motivated migration patterns can also contribute to population distribution.	1	
	Language: Language ties people together and can be a factor in the formation of ethnic or cultural groups, influencing settlement patterns.	1	
0	Urbanization: The shift from rural to urban living is a cultural trend. Economic opportunities, lifestyle changes, and urban amenities contribute to population concentration in cities.	1	
p	Social Policies: Government policies related to healthcare, education, and family planning influence population distribution by shaping demographic behaviors and socioeconomic development.	1	
	Several factors influence the location of industries globally. These factors are often	1	1
	nterrelated and contribute to the spatial distribution of industrial activities. Some		

key considerations include:	
Raw Materials: Proximity to raw materials is a critical factor. Industries tend to locate near the source of raw materials to reduce transportation costs and ensure a steady supply.	
Labor Availability: Access to a skilled and affordable labor force is essential. Industries often choose locations with a skilled workforce or where labor costs are competitive.	
Transportation Infrastructure: Efficient transportation networks, including roads, ports, and railways, influence industrial location. Access to markets and the ability to transport goods easily affect location decisions.	1
Energy Availability: Industries, especially energy-intensive ones, are attracted to areas with reliable and affordable energy sources. Proximity to power plants or energy reserves is a key consideration.	
Market Access: Proximity to markets is crucial for industries that produce consumer goods. Access to consumers reduces distribution costs and time-to-market.	1
Government Policies: Government incentives, tax breaks, and regulatory policies play a significant role. Industries may favor locations with favorable policies, subsidies, or a business-friendly environment.	
Infrastructure: Apart from transportation, general infrastructure like water supply, telecommunications, and waste disposal influences industrial location decisions.	1
Climate and Environmental Conditions: Some industries are sensitive to climatic conditions. For example, certain manufacturing processes may require specific environmental conditions or be influenced by climate-related factors.	
Political Stability: Political stability and a favorable business environment are attractive for industries. Stable political conditions reduce risks and uncertainties for businesses.	1
Technological Advancements: The availability of advanced technologies and research institutions can attract industries that rely on innovation and technology.  or	
Human Development Index (HDI): The HDI is a composite statistic used to measure a country's average achievements in three basic dimensions of human development: a long and healthy life (health), knowledge (education), and a decent standard of living (standard of living). It provides a comprehensive assessment of well-being beyond traditional economic indicators.	1
Four Pillars of Human Development:	1
Health: This pillar considers life expectancy at birth. Longer life expectancy reflects better health outcomes and access to healthcare services, indicating a higher level of human development.	
Education: Education is assessed through two indicators: mean years of schooling for adults and expected years of schooling for children entering school. Education is a key factor in individual empowerment and societal progress.	1
Standard of Living: This pillar focuses on per capita income adjusted for purchasing power parity. It measures the economic dimension of human	1

	development, reflecting the ability of individuals to access goods and services for a	I	
	decent standard of living.		
	Gender Equality: While not officially part of the HDI, gender-related development	1	
	index (GDI) and gender inequality index (GII) are often considered as	-	
	supplementary indicators, highlighting disparities between men and women in		
	terms of health, education, and standard of living. Gender equality is crucial for		
	holistic human development		
25	Hydel power, a vital component of India's energy portfolio, harnesses the potential	2	5
	energy of flowing water to generate electricity. India's diverse topography and		
	ample water resources make it conducive for hydropower development. The		
	country has strategically implemented numerous hydel projects, showcasing a mix		
	of large dams like Bhakra-Nangal and small-scale projects across various river		
	basins.		
	Hydel power contributes significantly to India's electricity generation, offering a	1	
	clean and renewable energy alternative. The Himalayan region, with its fast-flowing		
	rivers, has been a focal point for large hydropower installations. Projects like Tehri		
	and Nathpa Jhakri have become critical components of India's power		
	infrastructure.		
	Despite its benefits, hydel power faces challenges. Concerns related to	1	
	environmental impact, including habitat disruption and the displacement of local		
	communities, highlight the importance of balancing energy needs with sustainable		
	development. Climate change effects on water availability further emphasize the		
	need for thoughtful project planning.	1	
	In recent years, a growing emphasis on renewable energy has fueled interest in	1	
	hydel power. Advancements in technology and a focus on minimizing		
	environmental impacts are driving the development of more sustainable hydropower projects. As India continues to diversify its energy mix, hydel power		
	remains a key player in the nation's journey towards a more sustainable and		
	resilient power sector.		
	or	<u> </u>	
	Watershed management is a comprehensive approach to managing land, water,	2	
	and related resources within a watershed—a region where all water drains to a		
	common point. It involves planning and implementing practices to enhance water		
	quality, conserve soil, and sustainably manage natural resources.		
	Watershed management considers the interconnectedness of land and water,	1	
	incorporating measures like afforestation, soil conservation, and water harvesting		
	to maintain ecological balance. It addresses issues such as soil erosion, water		
	scarcity, and degradation of water quality.		
	Watershed management plays a pivotal role in sustainable development. It ensures	1	
	the efficient use of water resources, reduces the impact of floods and droughts, and		
	enhances agricultural productivity. By promoting conservation and sustainable		
	practices, it safeguards ecosystems, biodiversity, and livelihoods. Additionally, it		
	contributes to climate change adaptation by building resilience in communities.		
	In essence, watershed management fosters environmental sustainability, supports	1	
	local economies, and aligns with the principles of sustainable development by		
Total M - 1	harmonizing ecological health with human well-being	<u> </u>	15
Total Marks of Section-D Section – E Map Work			15
26	A	1	5
20	Tiruwanantpuram Airport	1	,
	Jamnagar oil Refinery	1	
	Durgapur Steel Plant  Palvara Cool Fold	1	
	Bokaro Coal field	1	
000	Kochi Seaport	1	
aggregate n	пагкя	<b>60</b>	

